हंसा चाले तो ले चालु रे डिग्गी का मेला में लिरिक्स

हंसा चाले तो ले चालु रे,
डिग्गी का मेला में,
ढोकला कल्याण धणी,
सावण का झूला में,
हंसा चाले तो ले चालू रे,
डिग्गी का मेला में।bd।

सावण बरसे हरियाली छागी,
यात्रा का गैला में,
झाकी माही डिजे बाजे,
नाचा गैला म,
हंसा चाले तो ले चालू रे,
डिग्गी का मेला में।bd।

जगह जगह भण्डारा लागे,
टोंक जिला का गैला में,
सीरो पूडी चाय मनसा,
भरगी कैला म,
हंसा चाले तो ले चालू रे,
डिग्गी का मेला में।bd।

मोत्यालोकल्याण धणी,
बैठ्यो डिग्गीका महला म,
तीन बरण की झाकी,
दरसण पावा मैला म,
हंसा चाले तो ले चालू रे,
डिग्गी का मेला में।bd।

शीश झुका मनडो सुख पायो,
अरजी सुणजे हैला म,
रमेश प्रजापत हंसा,
दरसण पावे मैला म,
हंसा चाले तो ले चालू रे,
डिग्गी का मेला में।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

हंसा चाले तो ले चालु रे,
डिग्गी का मेला में,
ढोकला कल्याण धणी,
सावण का झूला में,
हंसा चाले तो ले चालू रे,
डिग्गी का मेला में।bd।

गायक – रमेश प्रजापत टोंक।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com